एक दूरबीन और संस्कृतियों के टकराव

हवाई द्वीपसमूह के एक द्वीप बिग आइलैण्ड के एक पर्वत मौना की पर एक तीस मीटर की दूरबीन लगाने का प्रस्ताव है। 2020 में जब यह काम करने लगेगी तो यह दूरबीन सौर मंडल से बाहर के ग्रहों की खोज में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। मौना की नामक यह पर्वत दरअसल एक ज्वालामुखी है जो अब समाप्त हो चुका है।

देशज हवाई लोग इस दूरबीन के लगाए जाने का विरोध कर रहे हैं। उनका आक्रोश इस बात पर है कि यह दूरबीन जिस पर्वत पर लगाई जा रही है वह हवाई आदिवासियों के लिए पवित्र स्थान है। पिछले दिनों में काफी तीखे आंदोलन हुए हैं और 31 सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल जाना पड़ा है। इन आंदोलनों व विरोध के मद्देनज़र हवाई के गवर्नर ने निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है ताकि खगोल शास्त्रियों और आदिवासियों के बीच बातचीत हो सके।

वैज्ञानिक समुदाय में भी इस दूरबीन के स्थान को लेकर विवाद पैदा हो गए हैं। जहां कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि दूरबीन तो वहीं लगनी चाहिए, वहीं कई अन्य वैज्ञानिकों को लगता है कि पुनर्विचार करने में ही भलाई है।

पुनर्विचार के समर्थकों का कहना है कि यदि वहां दूरबीन न लगी तो काफी नुकसान होगा मगर साथ ही वे यह भी कहते हैं कि यदि दूरबीन लगाने पर अड़े रहे तो शायद नुकसान और भी ज़्यादा हो सकता है। इसका कारण ऐतिहासिक है। एक तो इससे पहले भी इसी इलाके में कई दूरबीनें लगाई गई हैं। मगर उससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि आदिवासियों के साथ जिस तरह का सलूक किया गया है वह किसी को भी परेशान कर सकता है।

उदाहरण के लिए 1996 में एक नौका दौड़ के दौरान एक दर्शक को एक प्राचीन खोपड़ी दिखाई दी थी। पुरातत्ववेत्ताओं ने जल्दी ही पता लगा लिया कि यह खोपड़ी अन्य शुरुआती अमरीकियों जैसी नहीं है। मगर उनके शोध कार्य पर देशज अमरीकियों ने आपत्ति की थी और कहा था कि उन्हें वह खोपड़ी लौटा दी जाए क्योंकि ससम्मान उसे पुनः दफनाना ही सही होगा। वह लड़ाई अभी जारी है।

इसी प्रकार से मधुमेह सम्बंधी शोध कार्य के लिए आदिवासियों ने जो खून दान में दिया था, उसका उपयोग कुछ जेनेटिक्स वैज्ञानिकों ने देशज अमरीकियों के पूर्वजों का पता लगाने में किया था। सामान्यतः इसे किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी करना माना जाता है।

कई लोग कह रहे हैं कि यदि हर समुदाय की गैर-तार्किकता को सिर पर बैठाया तो शोध कार्य असंभव है मगर कई वैज्ञानिक मानते हैं कि लोगों के प्रति एक न्यूनतम सम्मान तो दिखाना अनिवार्य है। ***(स्रोत फीचर्स)***